संवहनीय सफलता के लिए हमारे लोगों को सशक्त बनाना

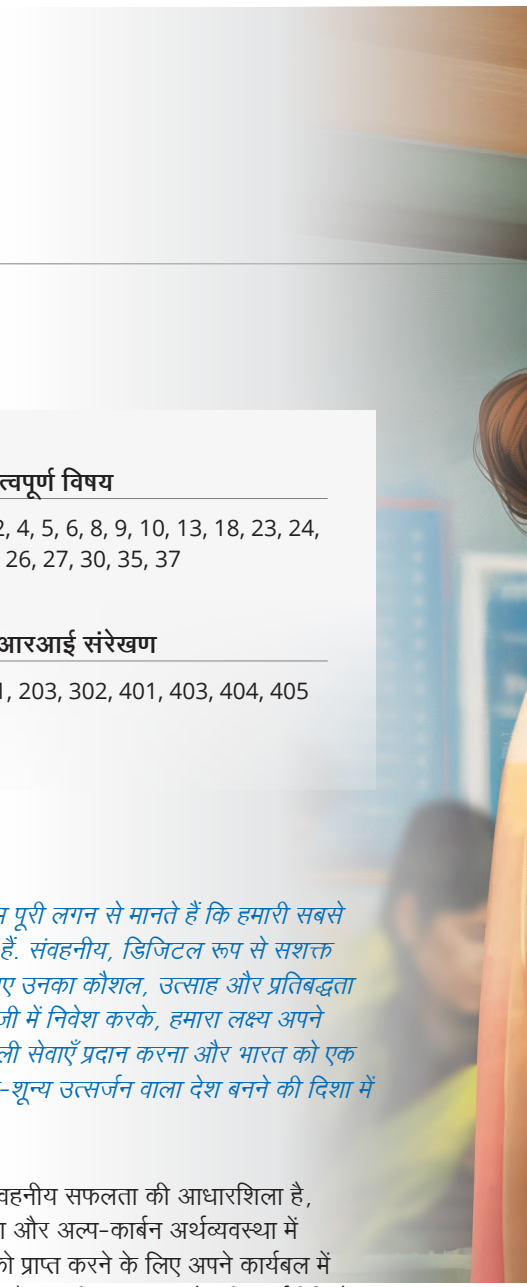

यूएनएसडीजी:

कार्यनीतिक स्तंभ:

9 14 15

कारोबार मॉडल कैनवास:

2 3 5 9

महत्वपूर्ण विषय

1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 13, 18, 23, 24, 25, 26, 27, 30, 35, 37

जीआरआई संरेखण

201, 203, 302, 401, 403, 404, 405

कर्मचारी-केंद्रित कार्यनीति: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हमारे कर्मचारी हमारे संवहनीय और डिजिटल भविष्य की आधारशिला हैं. जानें कि हमारा कर्मचारी-केंद्रित दृष्टिकोण हमारे विजन को किस प्रकार से संचालित करता है

कर्मचारियों की संख्या

75,866

युनियन बैंक ऑफ इंडिया में कुल कार्यबल

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हम पूरी लगन से मानते हैं कि हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति हमारे कर्मचारी हैं. संवहनीय, डिजिटल रूप से सशक्त भविष्य के हमारे दृष्टिकोण के लिए उनका कौशल, उत्साह और प्रतिबद्धता आधारशिला है. अपनी मानव पूंजी में निवेश करके, हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को उच्चतम गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान करना और भारत को एक डिजिटल पावरहाउस तथा शुद्ध-शून्य उत्सर्जन वाला देश बनने की दिशा में सार्थक योगदान देना है.

यह मानते हुए कि मानव पूंजी संवहनीय सफलता की आधारशिला है, यूनियन बैंक पर्यावरणीय स्थिरता और अल्प-कार्बन अर्थव्यवस्था में रूपान्तरण सहित प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने कार्यबल में कार्यनीतिक रूप से निवेश करता है. हमारी व्यापक कारोबारी कार्यनीति में मजबूत मानव पूंजी पहलों को सहजता से एकीकृत करते हुए, हम सुनिश्चित करते हैं कि आज के तेजी से बदलते परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए कर्मचारियों के पास आवश्यक कौशल और ज्ञान उपलब्ध है.

यह प्रतिबद्धता बैंक के वित्तीय कार्यनिष्पादन को बढ़ाती है और इसके पर्यावरणीय संवहनीयता के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. एक प्रेरित, कुशल और समावेशी कार्यबल को बढ़ावा देने पर हमारा ध्यान हमें हरित प्रौद्योगिकियों के विकास में अग्रणी बनाता है, अभिनव संवहनीय वित्तीय समाधान प्रदान करता है, और एक स्वच्छ और हरित भविष्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है.

कार्यनीतिक प्राथमिकताएँ तथा पहल

कार्यनीतिक प्राथमिकताएँ	पहल	विवरण	जीआरआई मानक
समावेशन और विविधता	कर्मचारी शिक्षा और प्रशिक्षण	पूर्वाग्रह जागरूकता, सांस्कृतिक क्षमता और समावेशी नेतृत्व पर जोर देने वाली उन्नत शैक्षिक पहल. नियमित प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएँ कर्मचारियों को विविधता और समावेशन में नवीनतम प्रथाओं और सिद्धांतों के बारे में जानकारी देती रहती हैं.	जीआरआई 405: विविधता और समान अवसर 2016
	संवादात्मक श्रवण सत्र	नियमित इंटरैक्टिव सत्र कर्मचारियों को अपनी राय प्रकट करने, अनुभव साझा करने और विचारों का योगदान करने का अवसर देते हैं. ये सत्र कर्मचारियों की भावनाओं को समझने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं.	जीआरआई 405: विविधता और समान अवसर 2016
	परिष्कृत भर्ती प्रथाएँ	उम्मीदवारों की विविधतापूर्ण पूल को आकर्षित करने के लिए भर्ती प्रक्रियाओं को परिष्कृत किया गया. लक्षित आउटरीच कार्यक्रमों, विविध संगठनों के साथ साझेदारी और समावेशी नौकरी विज्ञापनों के माध्यम से कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों तक पहुँचने पर जोर दिया गया.	जीआरआई 405: विविधता और समान अवसर 2016

मानव पूंजी:

कार्यनीतिक प्राथमिकताएँ	पहल	विवरण	जीआरआई मानक
नेतृत्व विकास	व्यापक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम	भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए नेताओं को तैयार करने हेतु कार्यनीतिक सोच, डिजिटल दक्षता और परिवर्तन प्रबंधन को कवर करने वाले मजबूत प्रशिक्षण कार्यक्रम.	जीआरआई 404: प्रशिक्षण और शिक्षा 2016
	मेंटरशिप और कोचिंग	मेंटरशिप और कोचिंग ढांचा अनुभवी नेतृत्वकर्ताओं को उभरती प्रतिभाओं के साथ जोड़ता है, ज्ञान हस्तांतरण को बढ़ावा देता है, करियर विकास का समर्थन करता है, और भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं की एक शृंखला का निर्माण करता है.	जीआरआई 404: प्रशिक्षण और शिक्षा 2016
	विविधता में नेतृत्व कार्य	विविधता के प्रबंधन में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए समर्पित विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल, नेतृत्वकर्ताओं को विविध टीमों का नेतृत्व करने की बारीकियों को समझने और समावेशी कार्य वातावरण बनाने में मदद करते हैं.	जीआरआई 405: विविधता और समान अवसर 2016
कर्मचारी अनुभव का विकास	कर्मचारी आवश्यकता मूल्यांकन	नियमित सर्वेक्षण और फोकस समूह कर्मचारियों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी एकत्र करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बैंक की नीतियां और लाभ कर्मचारियों के लिए सर्वाधिक मूल्यवान हैं.	जीआरआई 405: विविधता और समान अवसर 2016
	लाभ की पेशकश में वृद्धि	संवर्धित लाभ प्रस्तावों में लचीली कार्य व्यवस्था, कल्याण कार्यक्रम, तथा कार्य-जीवन संतुलन और समग्र नौकरी संतुष्टि में सुधार के लिए व्यापक स्वास्थ्य कवरेज शामिल हैं.	जीआरआई 401: रोजगार 2016
	नवीन कार्य पद्धतियाँ	तकनीकी प्रगति और कर्मचारियों की बदलती अपेक्षाओं के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए कार्य पद्धतियों को लगातार विकसित करना. चुस्त कार्य पद्धतियाँ, और सहयोगी साधन उत्पादकता और जुड़ाव को बढ़ाते हैं.	जीआरआई 401: रोजगार 2016
भविष्य के काय	कार्यबल का पुनर्गठन	कार्यबल के पास भविष्य की भूमिकाओं के लिए आवश्यक कौशल सुनिश्चित करने के लिए अपस्किलिंग और रीस्किलिंग पहलों में निवेश करना, जिसमें उभरती प्रौद्योगिकियों, डिजिटल साधनों और नई कारोबारी प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण शामिल है.	जीआरआई 404: प्रशिक्षण और शिक्षा 2016
	परिष्कृत प्रतिभा प्राप्त करना	प्रतिभा प्राप्ति की कार्यनीति संगठन की कार्यनीतिक प्राथमिकताओं के साथ संरेखित है, जो नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और मानसिकता वाले प्रतिभाओं को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करती है. उन्नत भर्ती तकनीकें और डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि नियुक्ति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती हैं.	जीआरआई 401: रोजगार 2016
	कर्मचारी कार्य गति को संतुलित करना	काम कैसे, कहाँ और कब किया जाए, इस बारे में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध. हाइब्रिड कार्य मॉडल, लचीला शेड्यूलिंग और कार्य-जीवन एकीकरण का समर्थन करने वाली नीतियाँ लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं, कर्मचारी संतुष्टि और उत्पादकता को बढ़ाती हैं जबकि ठोस व्यक्तिगत सहयोग बनाए रखती हैं.	जीआरआई 401: रोजगार 2016

जीआरआई

201-1, 201-4

मानव पूंजी पहल के लिए अभिशासन संरचना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी मानव पूंजी पहलों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए एक मजबूत अभिशासन संरचना स्थापित की है. यह संरचना सुनिश्चित करती है कि सभी प्रयास बैंक के व्यापक ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन) तथा कार्यनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों.

बोर्ड अन्वेक्षण

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का निदेशक मंडल एक संरचित दृष्टिकोण के माध्यम से मानव पूंजी पहलों की देखरेख करता है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **कार्यनीतिक संरेखण:** यह सुनिश्चित करना कि मानव पूंजी संबंधी कार्यनीतियाँ बैंक के समग्र कार्यनीतिक उद्देश्यों के साथ संरेखित हों, जिसमें इसके ईएसजी लक्ष्य भी शामिल हैं.
- **नीति निर्माण:** मानव संसाधन से संबंधित नीतियों का निर्माण और कार्यान्वयन, यह सुनिश्चित करना कि वे अनुकूल कार्य वातावरण तैयार करते हैं और संवहनीय विकास को बढ़ावा देते हैं.
- **कार्यनिष्पादन की निगरानी:** लक्ष्यों की उपलब्धि सुनिश्चित करने तथा सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए मानव पूंजी से संबंधित कार्यनिष्पादन मेट्रिक्स की नियमित निगरानी करना.

समर्पित समितियां

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मानव पूंजी पहलों के प्रबंधन और संचालन के लिए विशिष्ट समितियों का गठन किया है:

- **ईएसजी संचालन समिति (ईएसजीएससी):** कार्यपालक निदेशकों तथा विभिन्न कारोबार एवं नियंत्रण वर्टिकलों के प्रमुखों वाली यह समिति ईएसजी परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए तिमाही आधार पर बैठक करती है और अनुमोदन के लिए संबंधित समितियों को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करती है. यह सुनिश्चित करती है कि मानव पूंजी पहल बैंक की व्यापक ईएसजी कार्यनीति के साथ एकीकृत हो.
- **हितधारक संबंध समिति (एसआरसी):** एक बोर्ड स्तरीय समिति जो गैर-जोखिम ईएसजी-संबंधित मामलों की देखभाल करती है, तथा यह सुनिश्चित करती है कि सभी मानव पूंजी पहल व्यापक ईएसजी लक्ष्यों के साथ संरेखित है.

ज्ञानार्जन और विकास

बैंक निम्नलिखित के माध्यम से सतत ज्ञानार्जन और विकास पर जोर देता है:

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:** अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के लिए उनके कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम, मानव पूंजी पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना.
- **डिजिटल साधन:** संगठन के अंतर्गत पहुंच और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण और विकास के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना??.

विविधता, समानता और समावेशन (डीईआई)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया विविधतापूर्ण और समावेशी कार्यस्थल के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है. इन पहलों में शामिल हैं:

- **लिंग-विशिष्ट समितियां:** 'एम्पावर हर' और 'पावर हिम' समितियां लिंग-विशिष्ट कैरियर संबंधी मुद्दों पर ध्यान देती हैं और समान अवसरों को बढ़ावा देती हैं.
- **एस्केलेशन प्रणाली:** एचआर आपके द्वार, व्हिसलब्लोअर पॉलिसी इस प्रकार की अन्य नीतियां कर्मचारियों को शिकायतों की रिपोर्ट करने और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं.

इन तंत्रों के माध्यम से, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मानव पूंजी पहलों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करता है, कार्यनीतिक लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है और एक उत्पादक, समावेशी और संवहनीय कार्य वातावरण को बढ़ावा देता है.

अभिशासन संरचना: हमारा मजबूत अभिशासन ढांचा सभी मानव पूंजी पहलों के कार्यनीतिक संरेखण और प्रभावी अन्वेक्षण को सुनिश्चित करता है. यह जानने के लिए आगे पढ़ें कि हमारा अभिशासन संरचना हमारे कार्यनीतिक लक्ष्यों का समर्थन कैसे करता है.

कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम

1,829

कर्मचारियों के कौशल तथा ज्ञान को बढ़ाने के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या.

कुल प्रशिक्षण घंटे

1.84 मिलियन

कर्मचारियों के निरंतर ज्ञानार्जन और विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण हेतु प्रदान किए गए घंटे.

मानव पूंजी:

जीआरआई

102-19

प्रत्यायोजित प्राधिकारी

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सर्वोच्च शासन निकाय से वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों को आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों से संबंधित प्रत्यायोजन सौंपने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण स्थापित किया है. यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि संगठन के सभी स्तरों पर कार्यनीतिक लक्ष्यों और जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित और निष्पादित किया जाता है.

ईएसजी संचालन समिति की बैठकें

4

ईएसजी संचालन समिति द्वारा आयोजित त्रैमासिक बैठकों की संख्या.

निदेशक मंडल इस प्रत्यायोजन प्रक्रिया के शीर्ष पर है. वे ईएसजी संचालन समिति (ईएसजीएससी) को अधिकार सौंपते हैं, जिसमें कार्यपालक निदेशक एवं कारोबार और नियंत्रण वर्टिकलों के प्रमुख शामिल होते हैं. ईएसजीएससी बैंक के परिवर्तन और ईएसजी सिद्धांतों के पालन पर चर्चा करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए तिमाही आधार पर बैठक करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि मानव पूंजी पहल और अन्य कार्यनीतिक लक्ष्य बैंक के व्यापक उद्देश्यों के साथ एकीकृत किए गए हैं.

इसके अतिरिक्त, बैंक ने अन्य विशेष समितियाँ बनाई हैं, जैसे कि हितधारक संबंध समिति (एसआरसी), जो गैर-जोखिम वाले ईएसजी-संबंधित मामलों की देखभाल करती है, जिससे बैंक के कार्यनीतिक लक्ष्यों के साथ संरेखण सुनिश्चित होता है. ये समितियाँ विशिष्ट डोमेन के प्रबंधन और देखरेख में महत्वपूर्ण हैं, जिससे केंद्रित और प्रभावी अभिशासन की अनुमति मिलती है.

इस प्रत्यायोजन ढांचे के माध्यम से, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया यह सुनिश्चित करता है कि जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से परिभाषित और प्रबंधित हों, जिससे पूरे संगठन में जवाबदेही और कार्यनीतिक संरेखण को बढ़ावा मिले.

जीआरआई

404

विविधता और समावेशन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2024 में समावेशी कार्यस्थल के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है, जिसमें कर्मचारी शिक्षा, इंटरैक्टिव श्रवण सत्र और परिष्कृत भर्ती प्रथाओं पर जोर दिया गया है. विविधतापूर्ण और समावेशी कार्य वातावरण बनाकर, यूनियन बैंक का लक्ष्य अपने कार्यबल की पूरी क्षमता का दोहन करना और संवहनीय विकास को आगे बढ़ाना है.

नेतृत्व विकास प्रतिभागी

480

नेतृत्व विकास कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कार्यपालकों की संख्या.

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024
अनुसूचित जाति (अजा)	19.67%	19.54%
अनुसूचित जनजाति (अजजा)	7.91%	8.05%
अन्य पिछड़ा वर्ग (अपिव)	30.10%	30.55%
सामान्य	42.32%	41.86%
भूतपूर्व कर्मचारी	6.23%	6.34%
महिला	28.82%	29.14%
अल्पसंख्यक समुदाय	7.14%	7.25%

जीआरआई

404, 405

नेतृत्व विकास

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एक मजबूत नेतृत्व श्रृंखला विकसित करने के लिए अपने नेतृत्व विकास पहलों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है जो विविधतापूर्ण और तकनीकी रूप से विकसित हो रहे वातावरण में सफलता को आगे बढ़ाती है. सभी स्तरों पर नेतृत्वकर्ताओं के पास उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख कार्यक्रम और उपाय लागू किए गए हैं.

नेतृत्व विकास कार्यक्रम: एक मजबूत नेतृत्व श्रृंखला का निर्माण करते हुए, एकम और विंग्स कार्यक्रम जैसी हमारी पहल प्रभावी पदानुक्रम का नियोजन और विविधता सुनिश्चित करती है. हमारे नेतृत्व विकास कार्यक्रमों और उनके प्रभावों को जानें.

यूनियन प्रेरना परियोजना:

इस प्रमुख पहल का उद्देश्य बैंक के भीतर नेतृत्व प्रतिभा की पहचान करना और उसका पोषण करना है. परियोजना के प्रमुख घटक इस प्रकार से हैं:

- **वेतनमान 4 और 5 कर्मचारियों के लिए कौशल प्रोफाइलिंग:** इस पहल में वेतनमान 4 और 5 पर पदस्थ कर्मचारियों के कौशल और योग्यताओं का व्यापक मूल्यांकन शामिल है. कौशल अंतर और योग्यता की पहचान करके, बैंक इन कर्मचारियों की नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विकास कार्यक्रम तैयार कर सकता है.

- **प्रतिभा प्रबंधन और पदानुक्रम नियोजन साधन:** भावी लीडर की एक सुदृढ़ शृंखला सुनिश्चित करने के लिए, यूनियन बैंक ने एक प्रगतिशील प्रतिभा प्रबंधन और पदानुक्रम नियोजन साधन विकसित किया है. यह साधन उच्च-संभावित कर्मचारियों की पहचान करने, कैरियर पथों को मैप करने और लक्षित विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करने में मदद करता है.

- **महिला नेतृत्व के लिए विंग्स कार्यक्रम:** नेतृत्व में लैंगिक विविधता के महत्व को पहचानते हुए, विंग्स कार्यक्रम विशेष रूप से बैंक के भीतर महिला लीडरों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए डिज़ाइन किया गया है. इस कार्यक्रम में महिलाओं को वरिष्ठ नेतृत्व पदों पर आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाने हेतु मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग के अवसर शामिल हैं.

लीडर्स की क्षमताओं बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना:

यूनियन प्रेरना परियोजना के अतिरिक्त, बैंक ने अपने लीडर्स की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न अन्य पहलों को कार्यान्वित किया है:

- **व्यापक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम:** ये कार्यक्रम कार्यनीतिक सोच, डिजिटल प्रवाह और परिवर्तन प्रबंधन सहित आवश्यक कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं. लीडर्स को इन कौशलों से लैस करके, बैंक यह सुनिश्चित करता है कि वे आधुनिक वित्तीय परिदृश्य की जटिलताओं को नेविगेट करने के लिए तैयार हैं.

- **मेंटरशिप और कोचिंग:** एक संरचित मेंटरशिप और कोचिंग ढांचा अनुभवी नेताओं को उभरती प्रतिभाओं के साथ जोड़ता है. यह पहल ज्ञान अंतरण की सुविधा प्रदान करती है, कैरियर विकास का समर्थन करती है, और एक सशक्त नेतृत्वकर्ता शृंखला तैयार करने में मदद करती है.

- **विविधता में नेतृत्वकार्य:** विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल विविध टीमों के प्रबंधन में नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं. ये मॉड्यूल नेतृत्वकर्ताओं को विविध कार्यबल का नेतृत्व करने और समावेशी कार्य वातावरण बनाने की बारीकियों को समझने में मदद करते हैं.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नेतृत्व विकास पहल इसके कार्यनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप है, जो यह सुनिश्चित करती है कि बैंक में नवाचार को आगे बढ़ाने, व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करने तथा समावेशिता और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक नेतृत्व प्रतिभा मौजूद है.

नेतृत्व विकास के लिए यह व्यापक दृष्टिकोण न केवल बैंक की कार्यनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने की क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि एक विविध और समावेशी नेतृत्व शृंखला को पोषित करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है जो भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी ढंग से समाधान कर सकता है.

जीआरआई

401, 404

कर्मचारी अनुभव और भविष्य के कार्य

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया लगातार कर्मचारियों के अनुभव को बेहतर बनाने और भविष्य के कार्य हेतु तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक की पहल विविध कर्मचारी आवश्यकताओं को समझने, लाभों में वृद्धि करने, कार्य पद्धतियों को विकसित करने और कार्यनीतिक प्राथमिकताओं के साथ प्रतिभा अधिग्रहण को संरेखित करने पर केंद्रित है. ये प्रयास व्यक्तिगत सहयोग के लाभों को बनाए रखते हुए, कर्मचारियों की अपने काम की गति पर अधिक नियंत्रण की आकांक्षा को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं.

विविध कर्मचारी समूहों से संबंधित सर्वेक्षण:

यूनियन बैंक नियमित रूप से सर्वेक्षण और फोकस समूह आयोजित करता है जिसमें विविध कर्मचारी समूह शामिल होते हैं ताकि जानकारी एकत्रित की जा सके और अपनी कार्यनीतियों को सूचित किया जा सके. ये सर्वेक्षण कर्मचारियों की अलग-अलग ज़रूरतों और प्राथमिकताओं को समझने में मदद करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नीतियाँ और पहल उनके लिए सबसे ज़्यादा मायने रखने वाले मुद्दों के अनुरूप हों.

लाभ पेशकश में वृद्धि:

बैंक ने कर्मचारियों की प्रतिक्रिया के आधार पर अपने लाभ के पेशकशों में वृद्धि की है. प्रमुख संवर्द्धनों में अनुकूल कार्य व्यवस्था, व्यापक स्वास्थ्य कवरेज और कल्याण कार्यक्रम शामिल हैं. इन लाभों का उद्देश्य कार्य-जीवन संतुलन और समग्र नौकरी संतुष्टि में सुधार करना है, जिससे यूनियन बैंक एक आकर्षक और सहयोगी नियोजक बन सके.

अनुकूल कार्य मॉडल:
हाइब्रिड कार्य मॉडल और अनुकूल समय-सारणी का समर्थन करते हुए, हम अपने कर्मचारियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करते हैं, उत्पादकता और संतुष्टि बढ़ाते हैं. जानें कि हमारे लचीले कार्य मॉडल हमारे कार्यबल को कैसे लाभ पहुँचाते हैं.

विकासशील कार्य पद्धति:

यूनियन बैंक तकनीकी उन्नति और कर्मचारियों की बदलती अपेक्षाओं से आगे रहने के लिए अपनी कार्य पद्धतियों को लगातार विकसित करता रहता है. कार्यक्षमता और सहभागिता बढ़ाने के लिए बैंक ने कुशल कार्यप्रणालियों, रिमोट काम करने के विकल्पों और सहयोगी टूल्स को अपनाया है. एक अनुकूल कार्य वातावरण के माध्यम से, यूनियन बैंक यह सुनिश्चित करता है कि कर्मचारी स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखते हुए कुशलतापूर्वक काम कर सकें.

कार्यनीतिक प्राथमिकताओं के साथ प्रतिभाशाली व्यक्तियों की नियुक्ति:

बैंक द्वारा प्रतिभाशाली व्यक्तियों की नियुक्ति की कार्यनीति इसकी कार्यनीतिक प्राथमिकताओं और विकास योजनाओं के साथ संरेखित की गई हैं. नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और मानसिकता वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आकर्षित करने पर जोर दिया जाता है. भर्ती प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए उन्नत भर्ती प्रौद्योगिकियों और डेटा-संचालित परिज्ञान का उपयोग किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यूनियन बैंक अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों को आकर्षित करता है.

कार्य गति सिद्धांत पर अधिक नियंत्रण के लिए कर्मचारियों की इच्छा को समायोजित करना:

अपने कर्मचारियों की अपेक्षाओं को पहचानते हुए, यूनियन बैंक काम कैसे, कहाँ और कब किया जाए, इस बारे में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक हाइब्रिड कार्य मॉडल, आघात-सह समयसारणी और कार्य-जीवन एकीकरण को सुविधाजनक बनाने वाली नीतियों का समर्थन करता है. ये प्रयास व्यक्तिगत सहयोग के लाभों को संरक्षित करते हुए कर्मचारी संतुष्टि और कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं.

जीआरआई

404

डिजिटल सशक्तिकरण

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कार्मिक प्रक्रियाओं में अत्याधुनिक तकनीक को एकीकृत करने के लिए अपने डिजिटल परिवर्तन प्रयासों को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया है. यह परिवर्तन परिचालन दक्षता को बढ़ाता है और कर्मचारियों को डिजिटल-प्रथम परिवेश में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है.

कार्मिक प्रक्रियाओं में डिजिटल रूपांतरण का एकीकरण:

यूनियन बैंक ने मानव संसाधन प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में डिजिटल समाधानों को एकीकृत किया है, जिससे इन प्रक्रियाओं में दक्षता और सटीकता बढ़ी है. कार्यनिष्पादन प्रबंधन, कर्मचारी सहभागिता और वर्कफ़्लो स्वचालन के लिए डिजिटल टूल के माध्यम से बैंक द्वारा सभी कर्मचारियों के लिए एक सहज और कुशल अनुभव सुनिश्चित किया जाता है. यह डिजिटल एकीकरण डेटा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, सूचित निर्णय लेने और मानव संसाधन संचालन को सुव्यवस्थित करने में सहायता करता है.

ज्ञानार्जन एवं विकास पहल:

यूनियन बैंक व्यापक ज्ञानार्जन एवं विकास पहलों के माध्यम से डिजिटल रूप से कुशल कार्यबल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हैं:

- **यूनियन ज्ञानार्जन केंद्र:** कर्मचारियों को डिजिटल कौशल और ज्ञान प्रदान करने में इन केंद्रों का महत्वपूर्ण योगदान है. यूनियन ज्ञानार्जन केंद्र परिचालन एवं डिजिटल बैंकिंग के लिए वेबिनार और पॉडकास्ट के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है. इन सत्रों में डिजिटल बैंकिंग परिचालन, साइबर सुरक्षा और परिवर्तनशील प्रौद्योगिकियों जैसे आवश्यक विषयों को कवर किया जाता है.

- **बाहरी साझेदारी:** यूनियन बैंक ने कर्मचारियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ साझेदारी की है. इन साझेदारियों से उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रमाणपत्रों का एक्सेस प्राप्त होता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कर्मचारी नवीनतम डिजिटल ट्रेंड और प्रौद्योगिकियों के बारे में अच्छी तरह अवगत हैं.

- **कौशल विकास कार्यक्रम:** डिजिटल प्रवाह को बढ़ाने पर केंद्रित इन कार्यक्रमों में डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन तकनीक पर कार्यशालाएं शामिल हैं. इन कार्यक्रमों में भाग लेकर कर्मचारियों को तकनीकी प्रगति के बारे में अवगत होने और अपने कौशल का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है.

डिजिटल सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करके, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया न केवल अपनी परिचालन क्षमताओं को बढ़ा रहा है, बल्कि अपने कर्मचारियों को डिजिटल-प्रथम दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से भी सुसज्जित कर रहा है. यह कार्यनीतिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि बैंक निरंतर सीखने और सुधार की कार्यप्रणाली को बढ़ावा देते हुए तकनीकी नवाचार में सबसे आगे रहे.

डिजिटल परिवर्तन का प्रभाव

डिजिटल सशक्तिकरण में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रयासों के परिणामस्वरूप कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं:

- **डिजिटल गोल्ड लोन:** व्योम ऐप और बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध डिजिटल गोल्ड लोन एप्लिकेशन, खुदरा, एमएसएमई और कृषि उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करता है. वित्तीय वर्ष 2024 में, 2,50,433 आवेदन प्राप्त एवं मंजूर किए गए, जिनकी राशि ₹ 5007 करोड़ थी.
- **ऑनलाइन ओटीएस:** पूरी तरह से स्वचालित ओटीएस आवेदन प्रसंस्करण प्रणाली पात्र उधारकर्ताओं को बैंक शाखा में गए बिना निपटान प्रक्रिया को पूरा करने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे सुविधा और दक्षता बढ़ जाती है.
- **वी-केवाईसी:** वीडियो केवाईसी समाधानों ने नए ग्राहकों के लिए खाता खोलने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है, जिससे न्यूनतम टर्नअराउंड समय (टीएटी) सुनिश्चित किया जाता है और ऑनबोर्डिंग अनुभव को बढ़ाया जाता है.

डिजिटल परिवर्तन: डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाते हुए, हम परिचालन दक्षता को बढ़ाते हैं और कर्मचारियों को डिजिटल-अग्रणी दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कौशल प्रदान करते हैं. हमारी डिजिटल परिवर्तन यात्रा और इसके लाभों के बारे में जानें.

डिजिटल गोल्ड लोन आवेदन

2,50,433

संसाधित और अनुमोदित डिजिटल गोल्ड लोन आवेदनों की संख्या.

ये पहल कर्मचारी एवं ग्राहक दोनों के अनुभवों में सुधार, परिचालन दक्षता में वृद्धि और डिजिटल रूप से सक्षम कार्यबल को बढ़ावा देने हेतु, जो वित्तीय क्षेत्र के उभरते मांगों के अनुसार स्वयं को परिवर्तित कर सकें, को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल तकनीकी का लाभ उठाने के प्रति यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता को विशेष रूप से दर्शाते हैं.

जीआरआई

404

ज्ञानार्जन एवं विकास

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने कर्मचारियों के निरंतर ज्ञानार्जन एवं विकास हेतु प्रतिबद्ध है. मजबूत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निवेश करके, बैंक यह सुनिश्चित करता है कि उसका कार्यबल कुशल, जानकार और वित्तीय क्षेत्र की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए तैयार रहे. निरंतर सुधार और नवाचार की कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने के लिए ज्ञानार्जन एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करना बैंक की कार्यनीति का एक महत्वपूर्ण घटक है.

कल्याण कार्यक्रम में भागीदारी

100%

व्यापक कल्याण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत..

आंतरिक प्रशिक्षण

प्रशिक्षण वित्तीय वर्ष 2021-22, वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24

प्रशिक्षण कार्यक्रम	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24
कार्यक्रमों की संख्या	2,245	1,582	1,829
प्रशिक्षितों की संख्या	1,19,439	88,477	72,723

बाहरी प्रशिक्षण

प्रशिक्षण वित्तीय वर्ष 2021-22, वित्तीय वर्ष 2022-23, और वित्तीय वर्ष 2023-24

प्रशिक्षण कार्यक्रम	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24
कार्यक्रमों की संख्या	179	185	175
प्रशिक्षितों की संख्या	985	977	1,782

प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रशिक्षण के घंटे

वित्तीय वर्ष 2024 में, यूनियन बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अपनी प्रशिक्षण पहलों का काफी विस्तार किया है. बैंक ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या और दायरे को बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किए हैं, ताकि कर्मचारियों को अपने कौशल और दक्षताओं को बढ़ाने के लिए अधिक अवसर मिल सके. नीचे वित्तीय वर्ष 2023 और वित्तीय वर्ष 2024 में यूनियन बैंक द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रशिक्षण घंटों पर प्रकाश डालने वाली एक तुलनात्मक तालिका दी गई है:

मेट्रिक	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024	वर्ष दर वर्ष परिवर्तन (%)
प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	1,582	1,829	13.50%
कुल प्रशिक्षण घंटे	13,66,200	18,38,412	12.72%

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार

यूनियन लर्निंग अकादमी (यूएलए) केंद्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में 6,700 से अधिक कर्मचारियों को कवर करते हुए 249 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए. इसके अतिरिक्त, 324 वर्चुअल कार्यक्रमों/वेबिनार में 56,000 से अधिक कर्मचारियों को कवर किया गया. प्रशिक्षण पहलों में यह उल्लेखनीय वृद्धि व्यापक शिक्षण और विकास कार्यक्रमों के माध्यम से अपने कर्मचारियों की दक्षता और कौशल में सुधार करने के लिए यूनियन बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

प्रशिक्षण घंटों में वृद्धि

कुल प्रशिक्षण घंटों में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो वित्तीय वर्ष 2023 में 13,66,200 घंटे से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 18,38,412 घंटे हो गए. यह वृद्धि अपनी प्रशिक्षण पहलों के विस्तार को बढ़ाने के प्रति बैंक के समर्पण को रेखांकित करती है. यूनियन बैंक यह सुनिश्चित करता है कि अधिक प्रशिक्षण घंटे प्रदान करके कर्मचारियों को संपूर्ण और गहन निर्देश प्राप्त हों, जो उनके पेशेवर विकास और बैंक के समग्र कार्यनिष्पादन के लिए आवश्यक है.

"

सतत ज्ञानार्जन और विकास: निरंतर ज्ञानार्जन में निवेश करके, हम अपने कर्मचारियों को कुशल, जानकार और भविष्य हेतु तैयार रहने के लिए सशक्त बनाते हैं. जानें कि हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को भविष्य के लिए कैसे तैयार करते हैं.

प्रमुख ज्ञानार्जन & विकास पहल

- **यूनियन ज्ञानार्जन केंद्र :** संरचित और लक्षित ज्ञानार्जन कार्यक्रम प्रदान करने में ऐसे केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका हैं. वे डिजिटल कौशल, परिचालन ज्ञान और लीडरशिप क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं.

- **बाहरी साझेदारी:** प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ सहयोग कर्मचारियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रमाणपत्रों का एक्सेस प्रदान करता है. ऐसी साझेदारियां सुनिश्चित करती हैं कि प्रशिक्षण सामग्री अद्यतन है और उद्योग के ट्रेंड के लिए प्रासंगिक है.

- **डिजिटल ज्ञानार्जन प्लेटफॉर्म:** यूनियन बैंक प्रशिक्षण कंटेंट को कुशलतापूर्वक वितरित करने हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ लेता है. ऑनलाइन पाठ्यक्रम, वेबिनार और ई-लर्निंग मॉड्यूल से कर्मचारी अपनी गति और सुविधानुसार सीख पाते हैं, जिससे निरंतर सीखने की कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिलता है.

प्रशिक्षण के लिए फोकस क्षेत्र

वित्तीय वर्ष 2024 में यूनियन बैंक के प्रशिक्षण कार्यक्रम कई प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थे:

- **डिजिटल कौशल:** कर्मचारियों को तेजी से डिजिटल हो रही दुनिया में आवश्यक कौशल में समर्थ बनाने के लिए डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण दिया जाता है.
- **लीडरशिप विकास:** लीडरशिप गुणों को बढ़ाने और बैंक के भीतर भविष्य के लीडर को तैयार करने के उद्देश्य से बनाया गया कार्यक्रम.
- **ग्राहक सेवा उत्कृष्टता:** ग्राहक संपर्क और सेवा वितरण में सुधार के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे ग्राहक संतुष्टि का उच्च स्तर सुनिश्चित किया जाता है.
- **नियामक अनुपालन :** कर्मचारियों को नवीनतम नियामक आवश्यकताओं के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने और अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु पाठ्यक्रम डिज़ाइन किए गए हैं.

कर्मचारी कल्याण

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण हेतु प्रतिबद्ध है. यह मानते हुए कि स्वस्थ कार्यबल संवहनीय विकास और परिचालन दक्षता प्राप्त करने हेतु आवश्यक है, बैंक द्वारा एक व्यापक कर्मचारी कल्याण कार्यक्रम शुरू किया गया है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करता है.

वार्षिक स्वास्थ्य जांच योजना: बैंक सभी कर्मचारियों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच योजना प्रदान करता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का शीघ्र पता लग सके और उनका उपचार हो सके. यह पहल सक्रिय स्वास्थ्य सेवा के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है.

प्रसव-पूर्व जांच योजना: यूनियन बैंक गर्भवतियों के लिए प्रसव-पूर्व जांच योजना प्रदान करता है. इस कार्यक्रम में गर्भावस्था के दौरान माँ और बच्चे दोनों अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच और परामर्श शामिल हैं.

शिशु देखभाल सुविधा योजना : कार्य-जीवन संतुलन के महत्व को समझते हुए, बैंक ने शिशु देखभाल सुविधा योजना शुरू की है. यह पहल कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण शिशु देखभाल सेवाओं का एक्सेस प्रदान करती है, जिससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों से समझौता किए बिना अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं.

समूह दुर्घटना बीमा योजना: दुर्घटना की स्थिति में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बैंक समूह दुर्घटना बीमा योजना प्रदान करता है. यह कवरेज दुर्घटना में घायल होने या मृत्यु होने की स्थिति में कर्मचारियों और उनके परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है.

कर्मचारी कल्याण कार्यक्रम: कर्मचारी कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का समाधान करने वाले व्यापक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदर्शित होती है. जानिए कि हम अपने कर्मचारियों के कल्याण को किस तरह प्राथमिकता देते हैं.

जीआरआई

401, 403

समूह बीमा योजना: दुर्घटना बीमा के पूरक के रूप में, समूह बीमा योजना कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए व्यापक स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है. इस योजना में अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी और अन्य चिकित्सा व्यय के लिए कवरेज शामिल है.

कर्मचारी के हित के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का व्यापक दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों को उनके स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं में सहायता मिल सके. अपने कर्मचारियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए, बैंक एक सहायक और लचीली संगठनात्मक कार्यप्रणाली को बढ़ावा देता है

मानव पूंजी:

जीआरआई

405

समावेशन मेट्रिक्स

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एक विविध और समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है. विविधता पर बैंक का ध्यान यह सुनिश्चित करता है कि उसका कार्यबल अपने समुदायों की समृद्ध विविधता को प्रतिबिंबित करे. नीचे वित्तीय वर्ष 2023 और वित्तीय वर्ष 2024 के लिए कार्यबल विविधता के आँकड़े और तुलनात्मक वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन दिए गए हैं.

कार्यबल विविधता के आँकड़े

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2023 (%)	वित्तीय वर्ष 2024 (%)	वर्ष दर वर्ष परिवर्तन (बीपीएस)
अनुसूचित जाती (एससी)	19.67	19.51	-16
अनुसूचित जनजाति (एसटी)	7.91	8.05	14
अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)	30.10	30.55	45
सामान्य	42.32	41.86	-46
भूतपूर्व सैनिक	6.23	6.34	11
महिलाएं	28.82	29.14	28
अल्पसंख्यक समुदाय	7.14	7.25	11

महिला कर्मचारी

29.10%

लैंगिक विविधता को बढ़ावा देते हुए, कार्यबल में महिला कर्मचारियों का प्रतिशत.

जीआरआई

401, 403,404

प्रतिभाशाली व्यक्तियों का प्रबंधन और प्रतिधारण

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एक समर्पित और उच्च कार्यनिष्पादन करने वाले कार्यबल को बढ़ावा देने में प्रभावी प्रतिभाशाली कर्मियों के प्रबंधन और प्रतिधारण कार्यनीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता है. वित्तीय वर्ष 2024 में, बैंक ने ऑनबोर्डिंग, कार्यनिष्पादन प्रबंधन और प्रतिधारण जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया, विशेष रूप से अपने प्रतिभाशाली कर्मियों के प्रबंधन की कार्यप्रणालियों में डिजिटलीकरण और स्थिरता पर जोर दिया है.

ऑनबोर्डिंग, कार्यनिष्पादन और प्रतिधारण पर फोकस

यूनियन बैंक ने ऑनबोर्डिंग अनुभव को बढ़ाने, कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणालियों में सुधार करने और शीर्ष प्रतिभा को बनाए रखने के उद्देश्य से कई पहलों को कार्यान्वित किया है. ये प्रयास सुनिश्चित करते हैं कि नए कर्मचारियों को संगठन में आसानी से एकीकृत किया जाए, मौजूदा कर्मचारियों को उनके करियर विकास में सहायता दी जाए और सभी कर्मचारियों को लंबे समय तक बैंक के साथ बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाए.

- **ऑनबोर्डिंग कार्यक्रम:** बैंक के ऑनबोर्डिंग कार्यक्रम नए कर्मचारियों को बैंक की संस्कृति, मूल्यों और परिचालन प्रक्रियाओं की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं. इन कार्यक्रमों में अभिविन्यास सत्र, मेंटरशिप पेयरिंग और प्रमुख बैंकिंग प्रणालियों और प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण शामिल हैं.
- **कार्यनिष्पादन प्रबंधन:** यूनियन बैंक ने नियमित फीडबैक लूप, सटीक कार्यनिष्पादन मेट्रिक्स और व्यक्तिगत कर्मचारी लक्ष्यों के अनुरूप विकास योजनाओं को शामिल करने के लिए अपने कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाया है. यह प्रणाली यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई है कि कर्मचारी अपनी कार्यनिष्पादन अपेक्षाओं को जानें और उन्हें पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान किए जाएं.
- **प्रतिधारण कार्यनीतियाँ:** अपनी शीर्ष प्रतिभा को बनाए रखने के लिए, यूनियन बैंक प्रतिस्पर्धी समपूर्ति पैकेज, कैरियर विकास के अवसर और सकारात्मक कार्य वातावरण प्रदान करता है. बैंक की प्रतिधारण कार्यनीतियों में कर्मचारी उपलब्धियों और योगदान की सराहना करने वाले मान्यता कार्यक्रम भी शामिल हैं.

विविधता और समावेशन: समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देते हुए, हम लक्षित भर्ती और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सभी के लिए समान अवसर और सहायता सुनिश्चित करते हैं. विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए हमारे द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानें.

प्रतिभा प्रबंधन में डिजिटलीकरण और स्थिरता पर जोर

यूनियन बैंक ने अपनी प्रतिभा प्रबंधन प्रक्रियाओं में डिजिटल साधनों और संवहनीय कार्यप्रणालियों को शामिल करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है. इन प्रयासों का उद्देश्य अधिक कुशल, लचीला और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाना है.

- **प्रतिभा प्रबंधन के लिए डिजिटल साधन:** बैंक अपनी प्रतिभा प्रबंधन प्रक्रियाओं को कारगर बनाने के लिए उन्नत मानव संसाधन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है. इसमें भर्ती, कार्यनिष्पादन समीक्षा और कर्मचारी सहभागिता सर्वेक्षण के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करना शामिल है. उदाहरण के लिए, एकम मोबाइल ऐप कर्मचारियों को कार्यनिष्पादन समीक्षा, रिवार्ड पॉइंट और अपस्किलिंग के लिए प्रासंगिक प्रशिक्षण का 24/7 एक्सेस प्रदान करता है.

- **संवहनीयता पहल:** यूनियन बैंक पर्यावरण और सामाजिक कल्याण में योगदान देने वाली कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देकर अपने प्रतिभा प्रबंधन में संवहनीय कार्यप्रणालियों को एकीकृत करता है. इसमें लचीली कार्य व्यवस्था के माध्यम से कार्य-जीवन संतुलन का समर्थन करना और संवहनीयता-केंद्रित प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना शामिल है.

उत्तराधिकार नियोजन और नेतृत्व विकास

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने मानव पूंजी कार्यनीति के महत्वपूर्ण घटकों के रूप में उत्तराधिकार नियोजन और नेतृत्व विकास पर जोर देता है. अगली पीढ़ी के नेतृत्वकर्ता को तैयार करने के महत्व को पहचानते हुए, बैंक ने एक सहज परिवर्तन और निरंतर नेतृत्व उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए नवोन्मेषी उपाय और कार्यक्रम कार्यान्वित किए हैं.

नवोन्मेषी प्रतिभा प्रबंधन और उत्तराधिकार नियोजन टूल

यूनियन बैंक ने एक उन्नत प्रतिभा प्रबंधन और उत्तराधिकार नियोजन टूल विकसित और स्थापित किया है. यह डिजिटल साधन उच्च क्षमता वाले कर्मचारियों की पहचान करने और उन्हें भविष्य की नेतृत्वकर्ता भूमिकाओं के लिए तैयार करने के लिए डेटा एनालिटिक्स का लाभ लेता है. टूल कर्मचारियों के कौशल, कार्यनिष्पादन और पदोन्नति के लिए तत्परता का आकलन करता है, यह सुनिश्चित करता है कि बैंक प्रभावी रूप से नेतृत्वकर्ता निरंतरता की योजना बना सकता है. यह कार्यनीतिक दृष्टिकोण नेतृत्वकर्ता अंतर से जुड़े जोखिमों को कम करने में सहायता करता है और यह सुनिश्चित करता है कि बैंक तेज़ी से बदलते कारोबारी परिवेश में सक्रिय और लचीला बना रहे.

महिला लीडरशिप के लिए विंग्स कार्यक्रम

लैंगिक विविधता और समावेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, यूनियन बैंक ने विंग्स कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे विशेष रूप से महिला कर्मचारियों की लैंगिक-विशिष्ट करियर चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया गया है. यह कार्यक्रम बैंक के भीतर महिलाओं की लीडरशिप क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लक्षित समर्थन प्रदान करता है. विंग्स कार्यक्रम के प्रमुख घटकों में शामिल हैं:

- **मेंटरशिप और कोचिंग:** अनुभवी लीडर महिला कर्मचारियों को सलाह देते हैं, उन्हें करियर की चुनौतियों और अवसरों से निपटने में सहायता करने के लिए मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करते हैं.

- **लीडरशिप प्रशिक्षण:** विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रभावी लीडरशिप के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने जैसे कार्यनीतिक निर्णय लेना, बातचीत और संघर्ष तथा समाधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं,

- **नेटवर्किंग के अवसर:** कार्यक्रम नेटवर्किंग कार्यक्रमों और मंचों की सुविधा प्रदान करता है, जहां महिला नेता जुड़ सकती हैं, अनुभव साझा कर सकती हैं और पेशेवर संबंध बना सकती हैं.

जीआरआई
404, 405

विंग्स कार्यक्रम का उद्देश्य बैंक के भीतर उच्च भूमिकाएँ निभाने के लिए तैयार महिला नेताओं के लिए मजबूत शृंखला तैयार करना है, जिससे नेतृत्वकर्ताओं के पदों पर लैंगिक समानता और विविधता को बढ़ावा मिले.

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए नेतृत्वकर्ता विकास में मुख्य उपलब्धियां

- **लीडरशिप विकास कार्यक्रम:** 14 से अधिक लीडरशिप विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए और विभिन्न वेतनमान (IV से VIII) के 480 से अधिक अधिकारियों ने इसमें भाग लिया. ये कार्यक्रम कार्यनीतिक सोच, डिजिटल प्रवाह और परिवर्तन प्रबंधन कौशल को बढ़ाते हैं.

- **बाहरी प्रशिक्षण और अनुभव:** बैंक ने 1,793 कर्मचारियों को बाहरी प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए, जिसमें 327 अधिकारियों के लिए विदेशी प्रशिक्षण अनुभव शामिल है. ये कार्यक्रम सुनिश्चित करते हैं कि कर्मचारी लीडरशिप में वैश्विक दृष्टिकोण और सर्वोत्तम कार्यप्रणाली प्राप्त करें.

मानव पूंजी:

- **यूनियन लर्निंग अकादमी (यूएलए):** यूएलए ने 6,700 से अधिक कर्मचारियों को कवर करते हुए 249 प्रशिक्षण कार्यक्रम और 56,000 से अधिक कर्मचारियों को कवर करते हुए 324 वर्चुअल कार्यक्रम / वेबिनार आयोजित किए. इन पहलों ने विभिन्न नए युग के कौशल में प्रतिभागियों के दक्षता स्तरों में उल्लेखनीय सुधार किया है.

जीआरआई

102-16, 102, 102-17, 205, 205-2

कर्मचारी आचार संहिता और व्हिसल ब्लोअर तंत्र

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नैतिक आचरण और पारदर्शिता को प्राथमिकता देता है, जो एक सशक्त कर्मचारी आचार संहिता और व्हिसल ब्लोअर तंत्र द्वारा समर्थित है. बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 19 के अनुसार, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का निदेशक मंडल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से, आचरण विनियम बनाने के लिए उत्तरदायी है. ये विनियम सभी कर्मचारियों से यह सुनिश्चित करते हुए कि उनके कार्य बैंक के मूल्यों और कानूनी आवश्यकताओं के अनुरूप हों , अपेक्षित पेशेवर व्यवहार और नैतिक आचरण के लिए मानक निर्धारित करते हैं.

बैंक ने एक व्यापक व्हिसल ब्लोअर नीति भी लागू की है, जिसे बोर्ड के कर्मचारियों और निदेशकों को किसी भी कदाचार के बारे में चिंताओं की रिपोर्ट करने के लिए एक सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यह नीति व्हिसलब्लोअर के लिए प्रतिशोध के खिलाफ गोपनीयता और सुरक्षा का आश्वासन देती है, एक सुरक्षित और पारदर्शी वातावरण को बढ़ावा देती है जहां बिना किसी डर के मुद्दों को उठाया जा सकता है.

डिजिटल लर्निंग सत्र

324

डिजिटल कौशल बढ़ाने के लिए आयोजित आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रमों/वेबिनारों की संख्या.

इन उपायों के अलावा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया समर्पित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से नैतिकता के महत्व पर जोर देता है. इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नैतिक व्यवहार को बढ़ावा देना और कर्मचारियों को नैतिक दुविधाओं को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए जागरूक करना है. प्रशिक्षण सत्र समग्र नैतिक आचरण में सुधार लाने तथा यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित होते हैं ताकि सभी कर्मचारियों द्वारा ईमानदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए.

पुरस्कार एवं मान्यता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने विशिष्ट मानव पूंजी प्रबंधन, नवोन्मेषी कार्यप्रणालियों और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं. ये पुरस्कार समावेशी, गतिशील और अग्रगामी सोच वाले कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए बैंक के समर्पण को रेखांकित करते हैं. नीचे कालानुक्रमिक क्रम में प्रस्तुत पुरस्कारों और प्राप्त मान्यताओं का विस्तृत विवरण दिया गया है:

पुरस्कार	वर्ष	विवरण
रिटेल बैंकर इंटरनेशनल एशिया ट्रेलब्लेज़र अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ एटीएम और स्वयं-सेवा नवाचार पुरस्कार	2024	एटीएम और स्वयं-सेवा प्रौद्योगिकियों में बैंक की उन्नति को मान्यता देता है
ईलेट्स बीएफ़एसआई सीआईएक्सओ अवार्ड्स में अग्रणी प्रौद्योगिकी बैंक	2024	बैंकिंग उत्कृष्टता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में बैंक की अगुवाई को मान्यता देता है
आईबीईएक्स इंडिया बीएफएसआई टेक अवार्ड में उभरते तकनीक का उपयोग करके बैंकिंग नवाचार में उत्कृष्टता	2024	बैंकिंग में उभरती प्रौद्योगिकियों के बैंक में अभिनव उपयोग को मान्यता दी गई.
एमएसएमई बैंकिंग उत्कृष्टता पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ एमएसएमई बैंक	2024	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बैंक के उत्कृष्ट समर्थन और सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया.

पुरस्कार	वर्ष	विवरण
सर्वश्रेष्ठ एमएसएमई अनुकूल बैंक एमएसएमई बैंकिंग उत्कृष्टता पुरस्कार (उपविजेता)	2024	एमएसएमई के लिए एक सहायक और मैत्रीपूर्ण संस्थान होने के बैंक के प्रयासों को मान्यता दी गई.
स्टार परफॉर्मर – एनपीएस में रैंक 1 पुरस्कार, पीएफआरडीए द्वारा गेम चेंजर अभियान	2024	राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को लागू करने में बैंक के नेतृत्व और उत्कृष्टता को मान्यता दी गई
आईएसी कॉर्पोरेट अवाड्र्स में भविष्य के लिए तैयार समावेशी संगठन बनाने में अग्रणी कार्य	2023	भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार एक समावेशी संगठन के निर्माण में बैंक के दूरदर्शी दृष्टिकोण को मान्यता दी गई.
मिशन एक्सेसिबिलिटी वार्षिक कार्यक्रम में चैंपियनिंग एक्सेसिबिलिटी अवार्ड	2023	सभी ग्राहकों और कर्मचारियों के लिए पहुंच और समावेशिता को बढ़ावा देने में बैंक के प्रयासों को मान्यता दी गई.
ग्लोबल रिटेल बैंकिंग इनोवेशन अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ स्वयं-सेवा बैंकिंग	2023	यूनियन वॉयस असिस्टेंट (यूवीए) जैसे बैंक के अभिनव स्व-सेवा बैंकिंग समाधानों को मान्यता दी गई.
वॉयस बैंकिंग कार्यान्वयन – ग्लोबल बैंकिंग और वित्त पुरस्कारों में नवाचार में उत्कृष्टता	2023	अभिनव वॉयस बैंकिंग समाधानों के सफल कार्यान्वयन के लिए सम्मानित किया गया.
गवर्नेंस नाउ में उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग, 6वां बीएफएसआई पुरस्कार	2023	बैंकिंग परिचालन और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के बैंक के कार्यनीतिक उपयोग के लिए सम्मानित किया गया
भारतीय अकादमिक सम्मेलन कॉर्पोरेट पुरस्कार	2023	शिक्षा-उद्योग सहयोग में यूनियन बैंक के योगदान और कॉर्पोरेट पहलों के माध्यम से शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के इसके प्रयासों को मान्यता दी गई.
गोल्डन पीकॉक नैशनल ट्रेनिंग अवॉर्ड 2024	मार्च, 2024	उन संगठनों के लिए जिन्होनें अपने एचआर और मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं में समग्र उत्कृष्टता प्राप्त की है
एपेक्स इंडिया एचआर एक्सीलेंस अवार्ड	सितंबर, 2023	एचआर की बेहतर प्रथाओं और कारोबारी उत्कृष्टता के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए
एक्सीलेंस इन लर्निंग एक्सपीरियेंस	जुलाई, 2023	इस पुरस्कार ने सीखने को शामिल करने, ज्ञान का सृजन करने और साझा करने, सीखने और काम को एकीकृत करने और संगठनात्मक सीखने में तेजी लाने और कारोबारी प्रभाव सृजन करने के सबसे नवीन और जमीनी तरीकों के प्रयासों को मान्यता दी.
यूनियन प्रेरणा परियोजना के लिए बीएफएसआई में गोल्ड	मई, 2023	एचआर डिजिटल परिवर्तनकारी परियोजना "यूनियन प्रेरणा" के लिए.
फ्यूचर रेडी संस्था 2023 अवार्ड	मई, 2023	वार्ड ने उन सर्वश्रेष्ठ कंपनियों को मान्यता दी है जिन्होनें भविष्य के लिए तैयार होने में सराहनीय कार्य किया है.
डिसेबिलीटी पॉजिटिव अवार्ड	अप्रैल, 2023	विकलांगता सकारात्मक पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों के असाधारण प्रयासों को सम्मानित और प्रदर्शित करते हैं जो समावेशी समाज को बढ़ावा देते हैं.

मान्यता और पुरस्कार: हमारी नवोन्मेषी मानव संसाधन प्रथाओं और प्रौद्योगिकी में अगुवाई के लिए पुरस्कारों की प्राप्ति, हम मानव पूंजी प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन पुरस्कारों के बारे में जानें में जो नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं.

प्राप्त पुरस्कार

20+

नवोन्मेषी मानव संसाधन प्रथाओं और प्रौद्योगिकी में अगुवाई के लिए मान्यता के रूप में प्राप्त पुरस्कारों की संख्या.

elets
BFSI CXO AWARDS
10 FEBRUARY 2024
Congratulations!
Union Bank of India
CXO
BFSI CXO AWARDS

IBEX INDIA 2024 BFSI TECH AWARDS

RETAIL BANKING INNOVATION
Best Self-Service Banking
Union Bank of India
and
Infosys Finacle
WINNER

MISSION ACCESSIBILITY
Presents
Championing Accessibility Award
to
Union Bank
A Model Organization in the Disability Rights Sector
8th October 2023

WINNER
BEST GOVERNMENT/PSU AT INITIATIVE

FINNOVITI
Awarded to
Union Bank of India
for
Personalized Interactive

BEST DIGITAL CHANNEL/PLATFORM IMPLEM

UNION BANK OF INDIA
PLATINUM

pfrda
#Zaruri Hai

HEROES
Hero for Good
Union Bank of India

DR. ANNURAG BATRA
Chairman & Editor-in-Chief
BW Businessworld &
Founder, exchange4media
Leader in Banking Innovation
FinTech Festival India 2024
FinTech Festival India

INDIA BFSI CONCLAVE & AWARDS

The Economic Times
FUTURE READY ORGANISATIONS
2023-2024

पब्लिक रिलेशन्स काउन्सिल ऑफ इंडिया
PUBLIC RELATIONS COUNCIL OF INDIA
IN ASSOCIATION WITH
PUBLIC RELATIONS SOCIETY DELHI
Welcomes you to the
17th GLOBAL COMMUNICATION CONCLAVE
ON